



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 माघ 1941 (श०)

(सं० पटना 84) पटना, सोमवार, 3 फरवरी 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

4 सितम्बर 2019

सं० 645—माँ जगदम्बा (श्री राधाकृष्ण, भगवती वो श्री सीताराम वो लक्ष्मण वो श्री राधाकृष्ण) गोसाईनिक स्थान, ग्राम+पो0—कोर्थू, थाना+अंचल—घनश्यामपुर, जिला—दरभंगा का निबंधन दिनांक 05.12.2018 को पर्षद में सार्वजनिक न्यास पाते हुए किया गया, जिसका निबंधन सं०—4482 है। तत्पश्चात् अंचलाधिकारी, घनश्यामपुर से पर्षदीय पत्रांक—1380, दिनांक 17.12.2018 द्वारा न्यास समिति के गठन के लिए स्थानीय 11 आस्थावान व्यक्तियों की एक सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। अंचलाधिकारी, घनश्यामपुर ने अपने पत्रांक—175, दिनांक 16.02.2019 द्वारा 11 नामों की सूची तथा थानाध्यक्ष, घनश्यामपुर के चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन के साथ पर्षद को भेजा है।

उपर्युक्त सूची के आलोक में श्री हरिमाधव ठाकुर को अध्यक्ष तथा जयकान्त ठाकुर को सचिव एवं श्री रविन्द्रनाथ ठाकुर को उपाध्यक्ष तथा अन्य प्रस्तावित व्यक्तियों को न्यास समिति के सदस्य के रूप में नामित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही स्थल पर तीन मन्दिर अवस्थित हैं, अतः श्री रामचन्द्र झा, पिता—श्री प्रसाद झा को भगवती मन्दिर, (2) श्री सतीशचन्द्र झा पिता—श्री प्रसाद झा, काली मन्दिर तथा (3) श्री श्री आनन्द कुमार झा पिता—स्व० लक्ष्मीकान्त झा श्री सीताराम वो श्री लक्ष्मण जी एवं श्री राधाकृष्ण मन्दिर के पुजारी का कार्य करेंगे तथा न्यास समिति को अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

उपर्युक्त परिस्थिति में उक्त मन्दिर के सुचारु प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए माँ जगदम्बा (श्री राधाकृष्ण, भगवती वो श्री सीताराम वो लक्ष्मण वो श्री राधाकृष्ण) गोसाईनिक स्थान, ग्राम+पो0—कोर्थू, थाना+अंचल—घनश्यामपुर, जिला—दरभंगा के सुचारु प्रबंधन सम्पत्तियों की सुरक्षा एवं संरक्षण तथा सम्यक् विकास हेतु एक योजना का निरूपण तथा इसको मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन निम्न रूप से करता हूँ।

यो ज ना

1. अधिनियम की धारा, 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "माँ जगदम्बा (श्री राधाकृष्ण, भगवती वो श्री सीताराम वो लक्ष्मण वो श्री राधाकृष्ण) गोसाईनिक स्थान, ग्राम+पो0-कोर्थू, थाना+अंचल-घनश्यामपुर, जिला-दरभंगा न्यास योजना" होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम " माँ जगदम्बा (श्री राधाकृष्ण, भगवती वो श्री सीताराम वो लक्ष्मण वो श्री राधाकृष्ण) गोसाईनिक स्थान, ग्राम+पो0-कोर्थू, थाना+अंचल-घनश्यामपुर, जिला-दरभंगा न्यास समिति" होगी जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण, संरक्षण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्य वृत्त एवं पर्षद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | |
|---|-------------|
| (1) हरिमाधव ठाकुर, पिता-स्व0 चन्द्रकान्त ठाकुर | — अध्यक्ष |
| (2) रविन्द्रनाथ ठाकुर, पिता-स्व0 इन्द्रनारायण ठाकुर | — उपाध्यक्ष |
| (3) श्री जयकान्त ठाकुर, पिता-स्व0 ताराकान्त ठाकुर | — सचिव |
| (4) श्री अनिता देवी, पति- श्री रघुवीर ठाकुर | — सदस्य |
| (5) श्री छेदी साहु, पिता-स्व0 शुभकान्त साहु | — सदस्य |
| (6) श्री सुमित कुमार मिश्र, पिता-स्व0 ताराकान्त मिश्र | — सदस्य |
| (7) श्री रामकली देवी, पति- श्री कुफारो सदा | — सदस्य |
| (8) श्री हेमचन्द्र ठाकुर, पिता-श्री उदयचन्द्र ठाकुर | — सदस्य |
| (9) श्री संतोष कामती, पिता-स्व0 जागेश्वर कामती | — सदस्य |
| (10) श्री ठकको यादव, पिता-स्व0 यदुनन्दन यादव | — सदस्य |
| (11) श्री शैलेन्द्र कुमार झा, पिता-स्व0 शशिकान्त झा | — सदस्य |

यह योजना तत्काल प्रभावी होगी और इसका कार्यकाल 05 वर्षों का होगा। एक वर्ष के बाद इसके कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने की स्थिति में न्यास समिति की निरन्तरता कायम रहेगी।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 84-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>